

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता, सत्र 14, पॉल, 2 कुरिन्थियों, गलातियों और इफिसियों में मसीह के साथ एकता के लिए आधार

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 14 है, पॉल, 2 कुरिन्थियों, गलातियों और इफिसियों में मसीह के साथ एकता के लिए आधार।

हम नए नियम में उस सिद्धांत के मुकुट में मसीह के साथ एकता के अपने अध्ययन को जारी रखते हैं, जो प्रेरित पॉल के लेखन हैं।

बस संक्षेप में, मैं 2 कुरिन्थियों 12:1 और 2 में से थोड़ा सा पढ़ना और उल्लेख करना चाहूँगा। मुझे घमंड करना जारी रखना चाहिए, हालाँकि इससे कुछ हासिल नहीं होने वाला। मैं प्रभु के दर्शन और रहस्योद्घाटन के बारे में बात करूँगा। मैं मसीह में एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ, जो 14 साल पहले तीसरे स्वर्ग में उठा लिया गया था।

शरीर में या शरीर से बाहर, मुझे नहीं पता। भगवान जानता है। पॉल आगे कहते हैं, और वह हमें चिढ़ाते हैं क्योंकि वह कहते हैं कि यह आदमी, यह जाहिर तौर पर पॉल खुद है, इस आदमी ने ऐसी बातें सुनीं जो कही नहीं जा सकती थीं।

इसलिए, पॉल हमें बताता है कि यह आदमी स्वर्ग में गया, परमेश्वर की उपस्थिति में, तीसरे स्वर्ग में जहाँ परमेश्वर रहता है और उसने ये बातें सुनीं जो कही नहीं जा सकतीं, और इसलिए वह हमें नहीं बता सकता कि वे क्या हैं। हालाँकि, मेरा पूरा मुद्दा यह नहीं है। यह है कि शब्द, मैं मसीह में एक आदमी को जानता हूँ, का अर्थ कुछ इस तरह है।

मैं एक ईसाई व्यक्ति को जानता हूँ। मसीह में, यह इतना आम बोलचाल बन गया है कि मसीह में एक व्यक्ति का मतलब एक ईसाई व्यक्ति हो सकता है। यह दर्शाता है कि ये शब्द कितने आम हो गए हैं।

मैं 2 कुरिन्थियों 12:1 और 2 के बारे में बस इतना ही कहना चाहता हूँ। हम चाहते हैं कि हम पौलुस द्वारा सुनी गई बातों के बारे में ज़्यादा जानें, लेकिन वे ऐसी बातें थीं जिन्हें बताया नहीं जा सकता और जिन्हें मनुष्य बोल नहीं सकता। वह एक टीज़र है जो वह है। गलातियों 2. ओह, मेरा वचन।

गलातियों 2:15 से 21. हम तो जन्म से यहूदी हैं, और पापी अन्यजाति नहीं। फिर भी हम जानते हैं कि मनुष्य व्यवस्था के कामों से नहीं, परन्तु यीशु मसीह पर विश्वास करने से धर्मी ठहरता है।

इसलिए हमने भी यीशु मसीह पर विश्वास किया है ताकि मसीह में विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराया जा सके, न कि व्यवस्था के कामों के द्वारा। क्योंकि व्यवस्था के कामों से कोई भी धर्मी नहीं ठहराया जाएगा। बाइबल में नए नियम में यह सबसे जोरदार आयत है कि कैसे धर्मी ठहराया जाना विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से होता है, न कि कामों से।

पौलुस बार-बार यही कहता है। लेकिन अगर मसीह में धर्मी ठहराए जाने के हमारे प्रयास में हम भी पापी पाए गए। तो क्या मसीह पाप का सेवक है? बिलकुल नहीं।

ऐसा कभी न हो। यह विचार ही नष्ट हो जाए - ग्रीक में इसे मेगेनोइटा कहते हैं।

यदि मैं वही बनाऊं जिसे मैंने गिरा दिया, तो मैं अपराधी ठहरूंगा। क्योंकि व्यवस्था के द्वारा मैं व्यवस्था के लिये मर गया कि परमेश्वर के लिये जीऊं। मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।

अब मैं जीवित नहीं हूँ, बल्कि मसीह मुझमें जीवित है। और अब मैं जो शरीर में जीवित हूँ, वह परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास से जीवित हूँ, जिसने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया। मैं परमेश्वर के अनुग्रह को व्यर्थ नहीं करता।

क्योंकि यदि धार्मिकता व्यवस्था के द्वारा होती, तो मसीह का मरना व्यर्थ होता। संदर्भ में, पौलुस व्यवस्था के कामों के द्वारा धर्मी ठहराए जाने के किसी भी प्रयास के विरुद्ध बोलता है। पद 16 में तीन बार।

उद्धार केवल मसीह में विश्वास से ही संभव है। मसीह में, यीशु पद 16 में विश्वास के लक्ष्य को चिह्नित करने के लिए कार्य करता है। यीशु मसीह में विश्वास यीशु मसीह में विश्वास, मसीह में विश्वास।

मसीह वह व्यक्तिगत वस्तु है जिस पर भरोसा बढ़ाया जाता है। रोमियों 3:24 के साथ-साथ पद 17 केवल दो स्थानों में से एक है, जहाँ पौलुस मसीह को औचित्य के साथ जोड़ता है। वह यहूदी धर्मावलंबियों के इस आरोप को अस्वीकार करता है कि यहूदी विश्वासी पापी बन जाते हैं, जिसे यहूदी धर्मावलंबी अन्यजातियों के रूप में मानते थे क्योंकि वे व्यवस्था का पालन नहीं करते थे।

पॉल यहूदी धर्मावलंबियों के इस आरोप को खारिज करते हैं कि यहूदी विश्वासी अन्यजातियों के साथ संगति करके पापी बन जाते हैं। पॉल मसीह के पाप के सेवक होने की तुलना करते हैं, एक अवधारणा जिसे वे अस्वीकार करते हैं, निश्चित रूप से, मसीह में विश्वासियों के धर्मी होने के साथ। कैंपबेल व्यावहारिक हैं, और मैं "यह सवाल उठाकर कि क्या मसीह पाप का प्रवर्तक है, पॉल का तात्पर्य है कि मसीह ने पापियों को धर्मी ठहराने की घटना में काम किया है। सबसे अच्छा अर्थ इस सवाल से बनता है कि क्या मसीह पाप को बढ़ावा देता है, उसे धर्मी ठहराने की घटना में सक्रिय रूप से शामिल मानकर। नतीजतन, यहाँ मसीह में या मसीह द्वारा का पसंदीदा पठन एजेंसी की धारणा को दर्शाता है। मसीह धर्मी ठहराता है। उसके द्वारा ही हम धर्मी ठहराए जाते हैं।"

क्योंकि पॉल अपनी मृत्यु में आध्यात्मिक रूप से मसीह से जुड़ गया है, ऐसा इसलिए है क्योंकि वह मसीह के साथ मर गया; प्रेरित अब जीवित नहीं है, लेकिन मसीह उसमें रहता है।

बेशक, मैं पद 20 का जिक्र कर रहा हूँ। व्यवस्था के ज़रिए, मैं व्यवस्था के लिए मर गया ताकि मैं परमेश्वर के लिए जी सकूँ। पद 20, मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ।

नहीं, अब मैं जीवित नहीं हूँ, बल्कि मसीह मुझमें जीवित है। और अब मैं जो जीवन शरीर में जी रहा हूँ, वह परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास से जी रहा हूँ, जिसने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया। क्योंकि पौलुस अपनी मृत्यु में आत्मिक रूप से मसीह से जुड़ गया है, अर्थात् वह मसीह के साथ और मसीह में मर गया है।

प्रेरित अब जीवित नहीं है, बल्कि मसीह उसमें जीवित है। पद 20, पौलुस अपने व्यक्तित्व को नकार नहीं रहा है, बल्कि यह कि पुराना पौलुस जो आदम में था, मसीह के साथ मर गया है। मसीह के पुनरुत्थान में नया युग शुरू हो गया है, और सभी विश्वासी अब आने वाले युग के जीवन का आनंद लेते हैं।

इसे अनन्त जीवन कहा जाता है। यहाँ फिर से, पौलुस ने जोर देकर कहा कि वह मसीह द्वारा वास किया गया है। यह अंश मसीह के साथ सह-क्रूस पर चढ़ने और विश्वासियों में उनके वास करने के बीच आश्चर्यजनक रूप से सहसंबंध स्थापित करता है।

यीशु न केवल हमारे बाहर मरा और जी उठा, बल्कि वह हमारे साथ अपना घर बनाने आया और हमें अपना अपना लोग बनाया। एफएफ ब्रूस ने श्लोक 20 के विचार को उसके संदर्भ में व्यक्त किया है। उद्धरण, कानून से मसीह के लिए प्रभुत्व का परिवर्तन हुआ है, लेकिन यह सब नहीं है, पॉल कहते हैं।

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ, प्रेरित लिखता है। जो लोग मसीह में अपना विश्वास रखते हैं, वे उस विश्वास से उसके साथ जुड़े हुए हैं, इतने करीब से जुड़े हुए हैं कि उसका अनुभव अब उनका हो गया है। वे व्यवस्था के तहत पुरानी व्यवस्था में उसकी मृत्यु को साझा करते हैं, और व्यवस्था के तहत, इस मार्ग में कविता में।

और पौलुस में, चार, चार, और उसके पुनरुत्थान से नए जीवन की तुलना करें। वे पुराने आदेश के लिए मसीह की मृत्यु में भाग लेते हैं, जिसमें निश्चित रूप से पद 19 में व्यवस्था शामिल है। व्यवस्था के माध्यम से, मैं व्यवस्था के लिए मर गया, और वे नए जीवन के लिए उसके पुनरुत्थान में भाग लेते हैं, मसीह के मार्ग के साथ एक अद्भुत और गर्म मिलन।

बहुत से विश्वासियों ने गलातियों 2:20 को याद कर लिया है और यह एक बढ़िया विचार है। गलातियों 3:13 और 14. संदर्भ श्लोक 10 से शुरू होता है।

क्योंकि जितने लोग व्यवस्था के कामों पर भरोसा करते हैं, वे सब शापित हैं, क्योंकि लिखा है, जो कोई व्यवस्था की पुस्तक में लिखी हुई सब बातों का पालन नहीं करता और उनके अनुसार नहीं चलता, वह शापित है। अब, यह स्पष्ट है कि व्यवस्था के द्वारा कोई भी परमेश्वर के सामने धर्मी

नहीं ठहरता, क्योंकि धर्मी जन विश्वास से जीवित रहेगा। 13 को छोड़कर, मसीह ने हमारे लिए शाप बनकर हमें व्यवस्था के शाप से छुड़ाया।

क्योंकि लिखा है, शापित है वह हर कोई जो पेड़ पर लटका दिया जाता है ताकि मसीह यीशु में अब्राहम की आशीष अन्यजातियों तक पहुँचे ताकि हम विश्वास के द्वारा वादा किया गया आत्मा प्राप्त कर सकें। संदर्भ में, पौलुस व्यवस्था के कामों से न्यायोचित ठहराए जाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ बोलता है। क्षमा करें, और मेरी आँख ने गलत जगह देखने की गलती की थी।

गलातियों 3:13 और 14. आइए इसे फिर से आजमाएँ। एक संदर्भ में जो अब्राहम को दिए गए आशीर्वाद की बात करता है, अभिशाप तोड़ने वाले उसकी सज़ा के हकदार हैं।

संदर्भ अब्राहम को दिए गए आशीर्वाद और शाप से मुक्ति के बारे में बात करता है, जिसके लिए कानून तोड़ने वाले लोग दंड के पात्र हैं। पौलुस दंडात्मक प्रतिस्थापन का एक शक्तिशाली कथन करता है। मसीह ने शाप को अपने ऊपर ले लिया, वह दंड जिसके हम कानून तोड़ने वाले पात्र थे।

क्रूस पर चढ़ने के द्वारा वह हमारे लिए अभिशाप बन गया। क्यों? हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाने के लिए। 13, मसीह ने हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया।

और यहाँ वह तरीका बताया गया है जिसके द्वारा उसने ऐसा किया। हमारे लिए अभिशाप बनकर, जैसा कि व्यवस्थाविवरण में लिखा है, जो कोई पेड़ पर लटकाया जाता है वह अभिशाप है। मसीह ने हमारा अभिशाप, हमारी सज़ा ले ली।

वह हमारे स्थान पर मर गया ताकि हमें व्यवस्था की धमकी, दण्ड, अभिशाप से छुड़ा सके— आयत 13. इसका परिणाम यह है कि हमें वह आशीष प्राप्त होती है जिसका वादा परमेश्वर ने अब्राहम से किया था।

श्लोक 8 और 9. उस आशीर्वाद का वादा किया गया था। पवित्रशास्त्र ने पहले से ही यह जान लिया था कि परमेश्वर अन्यजातियों को विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराएगा, इसलिए उसने अब्राहम को पहले से ही सुसमाचार सुनाया, और कहा, तुझ में सभी राष्ट्र आशीष पाएंगे। इसलिए, जो लोग विश्वास करते हैं, वे विश्वास करने वाले व्यक्ति अब्राहम के साथ-साथ आशीष पाते हैं।

और यही उद्देश्य है कि मसीह हमारे लिए अभिशाप बन गया। इसलिए, पद 14 में, मसीह ने हमें व्यवस्था के अभिशाप से छुड़ाया, और पद 13 में, यह हमारे लिए अभिशाप बन गया, जैसा कि पुराने नियम में दर्शाया गया है। ताकि, गलातियों 3 के पद 14 में, मसीह यीशु में, अब्राहम की आशीष अन्यजातियों तक पहुँचे ताकि हम विश्वास के द्वारा प्रतिज्ञा की गई आत्मा प्राप्त कर सकें।

संभवतः मसीह यीशु में, पद 14 का प्रयोग साधन के रूप में किया गया है। मसीह की उद्धारकारी सिद्धि के माध्यम से ही परमेश्वर अन्यजातियों को आशीर्वाद देता है। इसके अलावा, मसीह में विश्वास के माध्यम से, हम पुराने नियम में वचनबद्ध पवित्र आत्मा प्राप्त करते हैं, पद 14।

यहाँ पर आत्मा के निवास को आत्मा प्राप्त करने के रूप में संदर्भित किया गया है। गलातियों 4.6. गोद लेने, गोद लेने के सिद्धांत का उल्लेख नए नियम में कई स्थानों पर किया गया है। पॉल में, इस पर बहस होती है कि क्या यह जॉन में भी है।

मुझे लगता है कि यह जॉन 1:12 और 1 जॉन 3:1 में है। कुछ साल पहले गोद लेने पर एक छोटी सी किताब लिखी थी। भगवान द्वारा गोद लिया गया। लेकिन निश्चित रूप से पॉल गोद लेने का धर्मशास्त्री है, इसमें कोई संदेह नहीं है।

और उसके पास दो मुख्य स्थान हैं जहाँ वह उस सिद्धांत को विस्तृत संदर्भ में खोलता है। एक रोमियों 8, आयत 14 से 17 में है, वास्तव में, उसके बाद भी कुछ संदर्भ हैं।

दूसरा गलातियों 4:1 से 6 है। और इसे भी गलातियों 3, श्लोक 26 से लेकर 4:7 तक बढ़ाया जा सकता है। एक प्रसिद्ध दत्तक ग्रहण अंश, गलातियों 4 :6 में, पौलुस इस बात पर प्रसन्न होता है कि विश्वासी अब पाप के दास नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर के पुत्र और वारिस हैं। मुझे गलातियों 4:4 से 7 पढ़ने दें। लेकिन जब समय पूरा हुआ, तो परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेजा, जो स्त्री से जन्मा, व्यवस्था के अधीन जन्मा, ताकि व्यवस्था के अधीन लोगों को छुड़ाए, ताकि हम पुत्रों के रूप में दत्तक ग्रहण प्राप्त करें। और क्योंकि तुम पुत्र हो, परमेश्वर ने अपने पुत्र की आत्मा को हमारे हृदयों में भेजा है, जो पुकारता है, हे अब्बा, हे पिता।

इसलिए अब तुम दास नहीं रहे, बल्कि पुत्र हो। और यदि पुत्र परमेश्वर के द्वारा वारिस है, तो यह सब इसलिए संभव हुआ है क्योंकि पिता ने अपने पुत्र को छुटकारे के अपने कार्य को पूरा करने के लिए भेजा, पद 4 और 5। पौलुस पद 6 में कई अद्भुत परिणामों में से एक को अलग करता है। क्योंकि तुम पुत्र हो, इसलिए परमेश्वर ने अपने पुत्र की आत्मा को हमारे हृदय में भेजा है, जो पुकारता है, पिता, पिता, अब्बा, पिता।

यहाँ, त्रित्व एक ही वाक्य में प्रकट होता है। पिता ने पवित्र आत्मा को भेजा, जैसा कि उसने पहले अपने पुत्र को भेजा था। पवित्र आत्मा को प्यार से उसके पुत्र की आत्मा कहा जाता है।

सर्वनाम उसका का पूर्ववर्ती पिता का है। आत्मा है, यह पवित्र आत्मा पिता के पुत्र की आत्मा है। पिता ने आत्मा को हमारे हृदय में भेजा, अर्थात् हमारे भीतर निवास करने और हमेशा हमारे साथ रहने के लिए।

आत्मा उस व्यक्ति की गवाही देता है जिसने उसे भेजा है। हमारे दिलों में वह पुकारता है, अब्बा, पिता। आत्मा विश्वासियों के साथ गवाही देता है कि वे परमेश्वर के हैं, कि वे उसके बच्चे हैं।

रोमियों 8:16 से तुलना करें। आत्मा स्वयं हमारी आत्मा के साथ गवाही देती है कि हम परमेश्वर की संतान हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा, अब्बा का अर्थ है, एक स्नेही संबोधन शब्द है जिसका उपयोग बच्चे अपने पिता के लिए करते हैं। यह बच्चों की भाषा नहीं है, इसका अर्थ दादा नहीं है, बल्कि इसका अर्थ है पॉप, डैड, डैडी, पिता, जो भी स्नेही शब्द आप पृथ्वी पर एक प्यारे और दयालु पिता के लिए उपयोग करते हैं।

पौलुस ने स्वर्ग में हमारे पिता के लिए इस शब्द का इस्तेमाल किया है, और यीशु ने, बेशक, हमें ऐसा करना सिखाया है। गलातियों 5:22-23, आत्मा का महान फल अंश। सबसे पहले, शरीर के काम हैं, गलातियों 5.19 और उसके बाद।

शरीर के काम तो प्रत्यक्ष हैं, अर्थात् व्यभिचार, अशुद्धता, कामुकता, मूर्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, प्रतिद्वंद्विता, मतभेद, फूट, ईर्ष्या, मतवालापन, रंगरेलियाँ, और इनके जैसे और काम। मैं तुम्हें पहले से ही चेतावनी देता हूँ कि जो लोग ऐसे काम करते हैं, वे परमेश्वर के राज्य के वारिस नहीं होंगे। परन्तु आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम है।

ऐसे कामों के विरोध में कोई व्यवस्था नहीं। और जो मसीह यीशु के हैं, उन्होंने शरीर को उसकी लालसाओं और अभिलाषाओं समेत क्रूस पर चढ़ा दिया है। यदि हम आत्मा के द्वारा जीवित हैं, तो आत्मा के अनुसार चलें भी।

हम अभिमानी न बनें, एक दूसरे को भड़काएँ, एक दूसरे से ईर्ष्या न करें। पौलुस वस्तुतः मसीह से संबंधित होने को पापपूर्ण वासनाओं और इच्छाओं के लिए उसके साथ सह-क्रूस पर चढ़ने के रूप में परिभाषित करता है, पद 24। गलातियों 6:14 की तुलना करें, लेकिन हमारे प्रभु यीशु मसीह के क्रूस को छोड़कर मुझे घमंड नहीं करना चाहिए, जिसके द्वारा संसार मेरे लिए क्रूस पर चढ़ाया गया है और मैं संसार के लिए।

इसलिए, एक अच्छा क्रॉस संदर्भ 6:14 है। प्रेरित विश्वासियों को उन लोगों के रूप में संदर्भित करता है जो मसीह के हैं। रिचर्ड लॉन्गनेकर सही ढंग से दावा करते हैं कि जो लोग मसीह यीशु के हैं वे मसीह यीशु में हैं। गलातियों पर लॉन्गनेकर की टिप्पणी।

यह अंश शरीर के कामों और आत्मा के फल के बीच अंतर दर्शाता है। पद 24 ही एकमात्र स्थान है जहाँ अंश मसीह के साथ एकता का उल्लेख करता है। मसीह के लोग उसकी कथा में भाग लेते हैं।

यहाँ, वे उसके साथ अपने शरीर के लिए मर गए। पौलुस का मतलब है कि हमारे पापी आवेगों को परमेश्वर के पुत्र के साथ मार दिया गया था और अब उन्हें हम पर हावी होने का अधिकार नहीं है, जैसा कि हमने रोमियों 6 में देखा था। पापी रूप से, हम उनकी शक्ति के आगे झुक सकते हैं, लेकिन यह अनावश्यक है। मसीह हमारे जीवन पर उनके नियंत्रण को तोड़ने के लिए मरा।

जब हम उन्हें खुद पर नियंत्रण करने देते हैं, तो हम भूल जाते हैं कि हम कौन हैं। अगर आप चाहें तो हम आध्यात्मिक भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। हम वे लोग हैं जो मसीह के हैं और उनके साथ अपने शरीर के लिए मर चुके हैं।

फिर से, लॉन्गनेकर सही निशाने पर हैं और मैं उद्धृत करता हूँ, क्रूस पर मृत्यु के माध्यम से मसीह का आत्म-समर्पण गलातियों का केंद्रीय उद्धारक विषय है। 1:4, 3:1, 3:13, 6:12, 6:14 की तुलना करें। क्रूस पर चढ़ने में मसीह के साथ पहचान का अर्थ है विश्वासी के लिए एक नए

प्रकार का अस्तित्व। अभी के लिए, मसीह मुझमें रहता है, गलातियों 2:20। क्रूस पर चढ़ने में मसीह के साथ पहचान का अर्थ है स्वतंत्रतावाद से जुड़े मुद्दों के लिए निहितार्थ।

इसलिए यहाँ पद 24 में, पौलुस द्वारा मसीह के क्रूस पर चढ़ने में उसके साथ पहचान का दावा करने का अर्थ है कि कोई ऐसी जीवनशैली नहीं अपना सकता जो या तो विधिवादी या स्वतंत्रतावादी अभिविन्यास को व्यक्त करती हो। क्योंकि मसीह के साथ होने पर, व्यवस्था की माँगें और शरीर की इच्छाएँ दोनों ही क्रूस पर चढ़ गई हैं। मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ने पर, व्यवस्था की माँगें और शरीर की इच्छाएँ दोनों ही क्रूस पर चढ़ गई हैं।

रोमियों 7:1-6, कुलुस्सियों 2:13-15, इफिसियों 1:7-10 की तुलना करें। वास्तव में, इफिसियों 1:3-14, यूनानी में एक लंबा वाक्य मसीह के साथ एकता से भरा हुआ है। और मैं कुछ आयतें चुन रहा हूँ जिनका इस संबंध में सामान्य रूप से उल्लेख नहीं किया जा सकता है। इफिसियों 1:7-10। उसमें, अर्थात् प्रिय मसीह, और हमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है, जिसे उसने सारी बुद्धि और समझ सहित हम पर उदारता से बरसाया है, और अपनी इच्छा का भेद हमें अपनी उस मनसा के अनुसार बताया है, जिसे उसने मसीह में समय की परिपूर्णता की योजना के रूप में बताया है कि सब कुछ उसमें, स्वर्ग की और पृथ्वी की, एक हो जाए।

एक बार फिर, प्रेरित ने उद्धार को मसीह के साथ एकता के साथ जोड़ने वाले शब्द को जोड़ा। उसमें हमें मुक्ति मिलती है, पद 7। मुक्ति का अर्थ है कीमत चुकाकर दासों का उद्धार। इस मामले में, मसीह का खून, क्रूस पर उसकी हिंसक मृत्यु।

इसका परिणाम मुक्ति, दासों की रिहाई और, “हमारे अपराधों की क्षमा” है, जिसने हमें बंधन में रखा था। उसमें, हमें मुक्ति मिलती है। उसमें, संभवतः एक स्थानिक शब्द की सूक्ष्मता है जिसका प्रयोग लाक्षणिक रूप से किया जाता है।

हम मसीह के राज्य से संबंधित हैं और अब आध्यात्मिक बंधन के क्षेत्र में नहीं हैं, क्योंकि उनकी मृत्यु से हमें मुक्ति मिली है। बाद में, मैं मसीह की भाषा की वास्तविक बारीकियों के बारे में बात करने जा रहा हूँ, और हम देखेंगे कि इसका प्रमुख उपयोग शैतान या दुनिया के राज्य से मसीह के राज्य या क्षेत्र में क्षेत्र के हस्तांतरण का प्रतीत होता है। अब हम मसीह के राज्य से संबंधित हैं और अब आध्यात्मिक बंधन के क्षेत्र में नहीं हैं, क्योंकि उनकी मृत्यु से हमें मुक्ति मिली है।

पौलुस अपने कार्यक्षेत्र को समय और ब्रह्मांड के अनुसार विस्तृत करता है जब वह कहता है, परमेश्वर ने अपने उद्देश्य के अनुसार अपनी इच्छा का रहस्य हमें बताया, जिसे उसने मसीह में समय की परिपूर्णता के लिए एक योजना के रूप में भेजा ताकि सभी चीजें उसमें एक हो जाएं। श्लोक 9 और 10. मसीह में सभी को एकजुट करने की अपनी योजना को स्थापित करने वाले परमेश्वर के साथ संयोजन में मसीह में का यह प्रयोग उन मुट्टी भर मौकों में से एक है, जिन्हें पौलुस ने मसीह के साथ सीधे एकता दिखाने के लिए मसीह में इस्तेमाल किया है।

मैंने पहले भी कहा है, और मैं यहाँ कॉन्स्टेंटाइन कैम्बेल के काम पर वास्तव में निर्भर हूँ, जिनकी पॉल में मसीह के साथ एकता पर पुस्तक मानक है। मसीह के साथ एकता के सभी संदर्भ, सबसे पहले, मसीह में, उसमें, जिसमें वे हमेशा मसीह के साथ एकता का उल्लेख नहीं करते हैं। जब वे ऐसा करते हैं, तो वे सभी मसीह के साथ संबंध की बात करने का एक बुनियादी अर्थ रखते हैं, ठीक है? लेकिन उससे परे, उनके पास एक दर्जन अलग-अलग बारीकियाँ हैं।

मैं अपने प्रतिनिधि अंशों के चयन में उनमें से कुछ को अपील करता रहा हूँ, प्रतिनिधि अंशों का चयन, लेकिन अधिकांश में ऐसा नहीं है; हर किसी में मसीह के साथ संबंध का अप्रत्यक्ष संदर्भ है। उनमें से आधा दर्जन में मसीह के साथ एकता का सीधा संदर्भ है। उसके अंदर का अंतिम प्रयोग भी स्थानिक है, जिसका उपयोग मसीह को केंद्र बिंदु या लक्ष्य के रूप में बोलने के लिए प्रतीकात्मक रूप से किया जाता है।

यानी श्लोक 10 में, परमेश्वर की योजना है कि वह सब चीज़ों को अपने में मिला दे, स्वर्ग की चीज़ें और पृथ्वी की चीज़ें। परमेश्वर की योजना है कि स्वर्ग और पृथ्वी की सभी चीज़ों को मसीह में एक साथ लाया जाए। ओ'ब्रायन ने इसे अच्छी तरह से कहा है, उद्धारण, मसीह वह है जिसे परमेश्वर ने ब्रह्मांड को समेटने के लिए चुना है, वह जिसके द्वारा वह ब्रह्मांड में सामंजस्य स्थापित करता है।

वह केन्द्र बिन्दु है, न कि केवल साधन, साधन या कार्यकर्ता जिसके माध्यम से यह सब घटित होता है। मसीह माध्यम है, वह साधन है। मुझे कार्यकर्ता शब्द पसंद नहीं है, लेकिन वह मध्यस्थ है।

ओह, लेकिन वह लक्ष्य भी है। अब जोर एक ऐसे ब्रह्मांड पर है जो मसीह के रूप में केन्द्रित और पुनः एक हो। मसीह के बारे में पॉल का सिद्धांत बहुत बड़ा है।

वह सृष्टि में परमेश्वर का प्रतिनिधि है। कुलुस्सियों 1, 1 कुरिन्थियों 8:6। वह परमेश्वर का है, परमेश्वर की तरह, वह भी ईश्वरीय कार्य करता है। कुलुस्सियों 1, ठीक वहाँ, श्लोक 17, ठीक वहाँ।

वह एकमात्र मध्यस्थ है, और वह परमेश्वर की योजना का अंत, लक्ष्य भी है, जैसा कि हम यहाँ इफिसियों 1:9 और 10 में देखते हैं। अर्थात्, मसीह सब कुछ है, सृष्टिकर्ता, पालनकर्ता, मुक्तिदाता, पूर्ण करनेवाला, सभी चीज़ों का वारिस। इफिसियों 1:11 से 13।

फिर से, इस भरे हुए अंश का सिर्फ़ एक छोटा सा हिस्सा चुन रहा हूँ। इफिसियों 1:3 से 14 मसीह के साथ एकता और पूर्व-अस्थायी चुनाव से लेकर मसीह के ब्रह्मांड के साथ परमेश्वर के मेल-मिलाप के लौकिक लक्ष्य होने तक की हर बात के सन्दर्भों से भरा हुआ और व्याप्त है। इफिसियों 1:11 से 13.

उसमें, वह फिर से मसीह है। हमने एक विरासत प्राप्त की है, जो उसकी इच्छा के अनुसार सभी चीज़ों को बनाने के उद्देश्य के अनुसार पहले से ही नियत की गई है, ताकि हम जो मसीह में आशा रखने वाले पहले व्यक्ति थे, उसकी महिमा की प्रशंसा के लिए हो सकें। उसी में, तुम भी, जब तुमने सत्य का वचन, अपने उद्धार का सुसमाचार सुना, और उस पर विश्वास किया, तो तुम पर वादा किए गए पवित्र आत्मा की मुहर लगी, जो हमारी विरासत की गारंटी है जब तक कि हम

उसकी महिमा की प्रशंसा के लिए इसे प्राप्त न कर लें। उसमें, हमने एक विरासत प्राप्त की है, हमने एक विरासत प्राप्त की है, जो मसीह के साथ एकता में उद्धार की एक और अभिव्यक्ति है।

उसमें, यह स्थानिक है, जिसका प्रयोग लाक्षणिक रूप से किया जाता है, लक्ष्य को सीमित करने के लिए डोमेन या क्षेत्र को दिखाने के लिए। पिछली आयत में, लक्ष्य सभी चीजों, ब्रह्मांड को मसीह में एक साथ लाना था। यहाँ, पौलुस ने विश्वासियों पर ध्यान केंद्रित किया है।

विश्वासियों की विरासत नई पृथ्वी में पूरी दुनिया है। सब कुछ तुम्हारा है, चाहे वह पौलुस हो या अपोलोस या कैफा, दुनिया का या जीवन या मृत्यु या वर्तमान या भविष्य, सब कुछ तुम्हारा है, 1 कुरिन्थियों 3:21, 22, जैसा कि हमने पहले देखा है। इसलिए, वह यह कहने से आगे बढ़ता है कि मसीह लक्ष्य है, ब्रह्मांड छुटकारे का लक्ष्य है, और मसीह इसका केंद्र है।

अब, वह इसके एक छोटे से हिस्से पर पहुँचता है और कहता है कि विश्वासी ही परमेश्वर के उद्धार के उद्देश्य का लक्ष्य हैं। और विश्वासी विरासत पाएँगे; उनके पास विरासत है, और विरासत है पवित्र त्रिदेव और नई पृथ्वी। वाह।

जब प्रेरित हम कहते हैं, तो उनका मतलब है कि यहूदी, यहूदी विश्वासी, मसीह में आशा रखने वाले पहले लोग थे; वह मसीह का उपयोग इस सत्य को व्यक्त करने के लिए करता है कि मसीह ही ईसाई आशा या विश्वास का विषय है। इफिसियों 1:13 में उसके दूसरे प्रयोग के लिए भी यही सच है। तुम, बिंदु, बिंदु, बिंदु, उस पर विश्वास किया।

मसीह विश्वास को बचाने का उद्देश्य है। क्या उसके साथ रिश्ते की कोई अंतर्निहित धारणा नहीं है? बेशक, यह है। लेकिन अब सूक्ष्मता, साधन, या वस्तु है, क्षमा करें, विश्वास को बचाने का।

उसका भी यही मतलब है, लेकिन यहाँ यह एक वस्तु है। कोई उस पर विश्वास करता है। जब प्रेरित ने कहा कि हम यहूदी हैं, तो उसने बस यही कहा।

पद 13 में 'इन हिम' का पहला प्रयोग क्षेत्र, प्रभुत्व, राज्य को दर्शाने के लिए स्थानीय का प्रतीकात्मक उपयोग है। पिता मसीह के क्षेत्र में विश्वासियों को पवित्र आत्मा के साथ मुहर लगाता है। परमेश्वर हमें स्थायी रूप से मसीह के क्षेत्र का हिस्सा बनाता है क्योंकि आत्मा हमारी विरासत की गारंटी है जब तक कि हम उसकी महिमा की प्रशंसा के लिए उस पर अधिकार नहीं कर लेते।

या जैसा कि 430 में कहा गया है, परमेश्वर ने हमें छुटकारे के दिन तक के लिए मुहरबंद कर दिया है। पौलुस में फिर से वही मुहरबंद सिद्धांत है। अक्सर उपेक्षित, कम जाना जाता है।

अगर हम 2 कुरिन्थियों 1:19 से 22, इफिसियों 1:13, 14, इफिसियों 4:30 को एक साथ रखें, तो हमें यह मिलता है। पिता मुहर लगाने वाला है। वही हम पर मुहर लगाता है।

जिन लोगों पर मुहर लगाई गई है वे विश्वासी हैं। यहाँ पर यही कहा गया है। तुम भी जब सुसमाचार सुनकर विश्वास किया, तो उसी में मुहर लगाई गई।

पिता मुहर लगाने वाला है, विश्वासियों पर मुहर लगाई जाती है। मुहर क्या है? मुहर पवित्र आत्मा है। हम पर लगी मुहर ईश्वरत्व का एक व्यक्ति है।

उसमें, तुम भी, जब तुमने सत्य का आदेश, अपने उद्धार का सुसमाचार सुना, और उस पर विश्वास किया, तो उसमें, तुम पर वादा किए गए पवित्र आत्मा की मुहर लगी। पुराने नियम में इसका वादा किया गया है, और अब वह पिनतेकुस्त के दिन आया है। उसमें, तुम पर पिता द्वारा वादा किए गए पवित्र आत्मा की मुहर लगी है, जो गारंटी है, और इसी तरह।

मुहर लगाना पिता का अनुग्रहपूर्ण कार्य है जिसके द्वारा वह हमें अपने स्वामित्व के चिह्न के रूप में आत्मा देता है। लेकिन इन तीन अंशों, इफिसियों 1:13, 14, इफिसियों 4:30, 2 कुरिन्थियों 1:19 से 22 में मुख्य जोर संरक्षण या सुरक्षा पर है। दोनों नियमों में वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें सील किया गया था।

लोगों पर मुहर लगाई गई है। सभी विश्वासियों पर पिता ने छुटकारे के दिन के लिए पवित्र आत्मा की मुहर लगाई है, और कोई भी उस मुहर को नहीं तोड़ सकता। कोई भी चीज़ परमेश्वर की पवित्र आत्मा पर हावी नहीं हो सकती।

इसके अलावा, पिता विश्वासियों को मुहर लगाता है, उन्हें आत्मा से मुहर लगाता है, और उन्हें मुहर लगाता है, आपने अनुमान लगाया, श्लोक 11, उसमें, श्लोक, मुझे खेद है, 13, उसमें, आप मुहरबंद थे। दिव्य निष्क्रिय, पिता ने विश्वासियों को पवित्र आत्मा के साथ मुहर लगाई, और उसने मसीह में ऐसा किया। मसीह के साथ हमारा मिलन दृढ़ है।

ओह, मैं सहमत हूँ। उसमें मसीह के उस दायरे की बात की गई है। लेकिन फिर से, मसीह के साथ एकता से संबंधित उन सभी उपयोगों के अंतर्गत उसके साथ संबंध है।

परमेश्वर ने हमें मसीह के राज्य में रखा है। पिता ने हमें पुत्र के प्रायश्चित्त कार्य के माध्यम से और आत्मा द्वारा हमें उद्धार प्रदान करने के माध्यम से पुत्र के राज्य में रखा है, और हम मसीह में सुरक्षित हैं। पाप करना सुरक्षित है? नहीं।

हमेशा के लिए परमेश्वर से प्रेम करना, उसकी सेवा करना और उसका आनंद लेना सुरक्षित है। इफिसियों 2:4 से 10, अद्भुत अंश। ओह माय।

इफिसियों 2:1 से 3 में हमारे तीन शत्रुओं, संसार, शरीर और शैतान के विषय में संक्षिप्त और संक्षिप्त रूप से बात करने के बाद, हम आयत 4 में पढ़ते हैं, "परन्तु परमेश्वर ने जो दया का धनी है, उस बड़े प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया, जब हम अपराधों के कारण मरे हुए थे तो हमें मसीह के साथ जिलाया।" अनुग्रह ही से तुम उद्धार पाए, और हमें मसीह यीशु में उसके साथ जिलाया, और स्वर्गीय स्थानों में बैठाया कि वह अपने अनुग्रह और कृपा का असीम धन हम पर मसीह यीशु में दिखाए। क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह उद्धार तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है, न कि कार्यों का फल, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

क्योंकि हम मसीह यीशु में उसके द्वारा बनाए गए भले कामों के लिए बनाए गए हैं, जिन्हें परमेश्वर ने पहले से तैयार किया है ताकि हम उनमें चलें। प्रेरित सिखाता है कि विश्वासी मसीह के पुनरुत्थान और सत्र में मसीह के साथ जुड़े हुए थे, अर्थात्, उसके स्वर्गारोहण के बाद परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठना। परमेश्वर ने न केवल हमें उसके साथ उठाया, आयत 6, बल्कि मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।

उद्धार का हर आशीर्वाद मसीह यीशु में है। इसका अर्थ है कि वे मसीह के स्वर्गारोहण में भी उसके साथ जुड़े हुए हैं। मसीह की मृत्यु, दफ़न, पुनरुत्थान, स्वर्गारोहण, स्वर्ग में बैठने में भी वे उसके साथ जुड़े हुए हैं।

ऐसा केवल यहीं कहा गया है। परमेश्वर ने हमें मसीह के साथ स्वर्ग में बैठाया है। इस संदर्भ में दो बार, पौलुस सिखाता है कि हम आत्मिक रूप से मरे हुए थे, अर्थात् परमेश्वर के जीवन से रहित, पद 1 और 5। हमें जीवित किए जाने की आवश्यकता थी, और परमेश्वर ने ठीक यही किया।

उसने हमें मसीह के साथ जीवित किया, पद 5. हमें आध्यात्मिक रूप से पुनर्जीवित करके हमें पुनर्जीवित किया, हमें जी उठे मसीह के साथ फिर से जोड़ा। इस प्रकार मसीह का जीवन हमारा हो जाता है, और हम आध्यात्मिक रूप से जीवित हो जाते हैं। पीटर ओ'ब्रायन इफिसियों 2:4 से 10 में सिखाई गई इन सच्चाइयों को रेखांकित करते हैं।

"पौलुस के पाठक मसीह के साथ जीवन में आए हैं जो मर गया था और फिर से जी उठा। उनका नया जीवन तब नए जीवन में साझेदारी है जो हमें तब मिला जब वह मृतकों में से जी उठा। केवल उसके साथ एकता में ही मृत्यु परास्त होती है और नया जीवन मिलता है, जो परमेश्वर की नई सृष्टि का एक अभिन्न अंग है।"

पौलुस परमेश्वर द्वारा आत्मिक रूप से मरे हुएों को जीवित करने को अनुग्रह का प्रतीक मानता है। इसीलिए वह पद 5 के अंत में एक अलग बात जोड़ता है। क्या आपने इस पर ध्यान दिया? जब आप अपराधों में मरे हुए थे, तब भी परमेश्वर ने आपको मसीह के साथ जीवित किया। वह कहता है, अनुग्रह से, तुम बचाए गए हो और हमें उसके साथ जीवित किया है और इसी तरह।

ईएसवी सही ढंग से उन शब्दों को अलग करता है, अनुग्रह से आप बचाए गए हैं, डैश के साथ। पॉल खुद की मदद नहीं कर सकता। अनुग्रह का प्रतीक है परमेश्वर द्वारा मृतकों को जीवित करना।

वास्तव में, किसी पुस्तक परियोजना के लिए कई महीनों तक 1 कुरिन्थियों 15 का अध्ययन करना बिल्कुल सही है। बाइबल में प्रभुतापूर्ण अनुग्रह का सबसे चरम प्रदर्शन युग के अंत में परमेश्वर द्वारा मृतकों को जीवित करना है। इससे बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता।

ओह, मेरा वचन। और यहाँ, मृतकों को जीवित रहते हुए आध्यात्मिक रूप से जीवित करना, उन्हें आध्यात्मिक मृत्यु से पुनर्जन्म में आध्यात्मिक जीवन में ले जाना, इसी तरह अनुग्रह का एक महान कार्य है। इस प्रकार पौलुस परमेश्वर द्वारा आध्यात्मिक मृत्यु को जीवित करने को अनुग्रह का प्रतीक मानता है।

इसीलिए वह पद 5 के अंत में इसे अलग से जोड़ देता है। अनुग्रह से, तुम बचाए गए हो। अनुग्रह का अर्थ है परमेश्वर का उन लोगों की मदद करना जो खुद की मदद नहीं कर सकते। यह उनका उद्धार है जो पूरी तरह से खो गए हैं।

एक शब्द में, वे आध्यात्मिक रूप से मरे हुए हैं। पौलुस दोहराता है कि परमेश्वर ने हमें उसके साथ उठाया और फिर जोड़ता है, और हमें मसीह यीशु में स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया - आयत 6। मसीह में, यीशु का उपयोग उस अर्थ में किया जाता है जिसे हमने सामान्य ज्ञान के रूप में देखा है, एक स्थानिक अर्थ, जो स्थान की बात करता है और मसीह के राज्य की बात करने के लिए रूपक के रूप में उपयोग किया जाता है।

लेकिन ठोस रूप से, इस बार, हम मसीह के साथ स्वर्ग में बैठे हैं। अगर यह आपत्ति की जाती है कि साथ बैठा क्रिया पहले से ही इस विचार को व्यक्त करती है, तो यह याद रखना चाहिए कि दोहराव मानव भाषा का एक सामान्य कार्य है। जी हाँ, बाइबल के लेखक खुद को दोहराते हैं।

शायद कभी-कभी जोर देने के लिए, लेकिन मुझे लगता है कि शायद ज़्यादातर समय ऐसा होता होगा क्योंकि उनकी माँ इसी तरह बोलती थी। यहाँ हम हवा की शक्ति के राजकुमार और उसके राक्षसों पर मसीह की जीत में भागीदार हैं। मसीह के साथ हमारा मिलन इतना महत्वपूर्ण है कि यह जीवनदायी, गतिशील और अटूट है कि ऐसा लगता है जैसे हम उसके साथ चढ़े हैं और उसके साथ स्वर्ग में बैठे हैं।

फ्रैंक थिलमैन ने इसे बहुत अच्छे से पेश किया है। उद्धारण, तीनों क्रियाओं के बारे में सबसे असामान्य तत्व, साथ में जीवित किया गया, साथ में उठाया गया, और साथ में बैठाया गया, उनका भूतकाल है। यहाँ, मसीहियों का जीवन, पुनरुत्थान, और मसीह में शाही पद ऐसी घटनाएँ हैं जो पहले ही घटित हो चुकी हैं।

यहाँ, उद्धार ऐसी चीज़ है जो विश्वासियों के लिए ज़ोरदार तरीके से मौजूद है। वे पहले से ही मसीह के साथ जीवित किए जा चुके हैं, पहले से ही उसके साथ जी उठे हैं, और यहाँ तक कि पहले से ही उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठे हैं। उनका पुनरुत्थान, किसी अर्थ में, पहले से ही हो चुका है।

कुलुस्सियों 3:1 से तुलना करें। उद्धारण बंद करें। इफिसियों पर फ्रैंक थिलमैन की अच्छी टिप्पणी। जब हम आत्मिक रूप से मरे हुए थे, तब परमेश्वर ने हम पर अपना प्रेम बरसाया।

उसने हमें जी उठे, स्वर्गारोहित, विराजमान मसीह के साथ जोड़ा, ताकि हम शक्तियों, बुरी शक्तियों पर उसकी जीत में भागीदार बनें। इन चीज़ों को करने के पीछे परमेश्वर का उद्देश्य क्या है? इफिसियों 2:7 कहता है कि आने वाले युगों में, वह मसीह यीशु में हमारे प्रति अपने अनुग्रह और दया के अथाह धन को दिखा सकता है। मसीह यीशु में, इसका उपयोग किसी चीज़ की पहचान या रहस्योद्घाटन को दिखाने के लिए किया जाता है।

इस मामले में, परमेश्वर की दया। हम अब सचमुच मसीह को जानते हैं, लेकिन हमने अभी तक कुछ भी नहीं देखा है। "परमेश्वर ने मसीह में हमारे लिए जो किया है वह एक वास्तविकता है,

लेकिन आने वाले युगों में ही यह पूरी तरह से देखा जाएगा कि यह क्या है।"

ओ'ब्रायन हमें याद दिलाते हैं कि प्रेरित नई सृष्टि के बारे में बात करने के लिए सृष्टि की भाषा का उपयोग करता है। उद्धरण: हम अच्छे कामों के लिए मसीह यीशु में सृजे गए उसकी कारीगरी हैं, जिन्हें परमेश्वर ने पहले से तैयार किया है, और हमें उनमें चलना चाहिए।

पद 10, हालाँकि नई सृष्टि केवल तभी पूरी तरह से प्रकट होगी जब मसीह वापस आएगा, लेकिन जब वह मृतकों में से जी उठा था, तब शक्ति के साथ शुरू हुई थी। विश्वासियों के लिए अब उद्धार का अनुभव करना उनके लिए मसीह यीशु में पुनः निर्मित होना है। इस परिचित वाक्यांश का प्रयोग साधन के रूप में किया जाता है।

पिता ने नई सृष्टि की योजना बनाई, और इसे मसीह यीशु के माध्यम से, अर्थात् उसके और उसके उद्धार कार्य द्वारा लागू किया गया। हमारे अगले व्याख्यान में, हम इफिसियों और मसीह के साथ एकता के अद्भुत सिद्धांत की इसकी गवाही के माध्यम से काम करना जारी रखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन की पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र 14 है, पॉल, 2 कुरिन्थियों, गलातियों और इफिसियों में मसीह के साथ एकता के लिए नींव।